चेहरे पर चमक के साथ दर्द

Trigeminal Neuralgia (TGN)

यह रोग एक आम रोग नहीं है। एक लाख लोगों में से केवल 5 – 6 व्यक्तियों को ही होता है। चेहरे पर चमक के साथ दर्द होना नसों के दर्द की बीमारी है। यह रोग 50 वर्ष के ऊपर की आयु में देखा जाता है तथा महिलाओं में ज्यादा होता है। यह दर्द

19 प्रतिशत लोगों को जिंदगी में दो बार यह दर्द होता है।

23 प्रतिशत रोगियों को 10 वर्ष के अंतर के बाद भी दर्द हो सकता है।

25 प्रतिशत लोगों को यह दर्द जिंदगी में 3 बार यह दर्द होता है।

28 प्रतिशत लोगों को 4 से 11 बार दर्द होता है।

29 प्रतिशत लोगों को जीवन में एक ही बार होता है।

65 प्रतिशत रोयिगों को 5 वर्ष के अंदर दर्द का दूसरा दौरा आ ही जाता है।

हर बार जो दर्द होता है वह एक दिन होकर बंद हो जाये या 4 साल तक लगातार भी चल सकता है। आमतौर पर एक आम दर्द का समय 2 माह तक चलता है। यह दर्द अचानक (Sudden) सुई चुभने जैसा दर्द, क्षणिक (Brief) कुछ सेकेन्ड़ का, अत्यंत तीव्र (Stabbing) तथा चेहरे के एक साइड (Unilateral) होता है। यह दर्द महीनो चल सकता है दिन में 25 से 30 बार तीव्र दर्द हो सकता है तथा कभी कभी कई महीनों (6 माह) के लिए दर्द गायब हो जाता है। कभी कभी दर्द एक बार हो और फिर जिंदगी भर ना हो, कुछ रोगियों में दर्द सालों चलता है तथा कुछ रोगियों में दर्द आता जाता है। इसलिये एक रोगी को यह जानकारी देना कि उसका सिरदर्द कब तक चलेगा या कब खत्म होगा बहुत मुशिकिल है।

इस रोग में चेहरे के कुछ बिशेष भाग पर हाथ लगाने से दर्द शुरू हो जाता है। इन बिशेष भाग को ट्रिगर पांइट (Trigger Points) कहतें हैं। यह इस प्रकार है –

1 चेहरे से हाथ लगाने पर,

2 ब्रश करने पर,

3 कंघा करने पर,

4 चेहरा धोते समय,

5 खाना खाते समय अथवा

6 पानी पीते समय

80% रोगियों में यह दर्द नस पर नस चढ़ने (Neurovascular compression) से होता है। नस के उपर नस का दबाब पड़ने से उसमें सार्टसर्किटिंगं (बिजली की गति बढ़ने) जैसा होता है 5 % रोगियों में गंभीर बीमारी जैसे– ब्रेन टयूमर (Brain tumour) आदि से भी दर्द हो सकता है

जांचे (Investigations) –

I. इस बीमारी में एम आर आई (MRI) ब्रेन तथा एम.आर.एन्जियो (MR Angio) सबसे महत्वपूर्ण जांचे है। इसमें सबसे आम खराबी नस पर नस चड़ना देखी जा सकती है। टयूमर, क्लॉट आदि की जानकारी भी इसी जॉच से मिलती है। एम आर आई (MRI) जांच में हैं 8000/– रूपए का खर्चा आता है। अन्य परिस्थियॉ जिसमें यह जांच करवाई जाती है वह हैं –

1. 40 साल से कम उम्र होना।
2. चेहरे के दोनों तरफ दर्द होंना।
3. चेंहरे पर सुनपन आना।
4. दवाइयों से आराम नहीं आना।

II. **(Blink Reflex) बिलिंक रिफलेक्स** – चेहरे की नसों में मशीन से हल्का सा करेंट दिया जाता है। इस करेंट का संचार उस नस से ब्रेन तक जाता है। एक मशीन द्वारा करेट के संचार को रिकार्ड किया जाता है। इससे भी नसों में कितनी खराबी है यह जानकारी भी मिलती है।

सामान्य दिखने वाले रोग –

1 दांत का दर्द (Dental pain)
2. चेहरे पर तनाव का दर्द। (Atypical facial Pain)
3. माइग्रेन (Migraine)
4. जबडे का दर्द। (TM Joint Pain)
5 टेम्पोरल आर्टेराइटिस। (Temporal Arteritis)
6. मॉथे पर दर्द तथा ऑखों का लाल होना

1. दांत का दर्द (Dental Pain) – कभी कभी नसों का दर्द दांतों से शुरू होता है तथा पानी पीते समय, ब्रश करते वक्त चमक के साथ दर्द उठता है तो रोगी को लगता है कि यह

दांत का दर्द है और कई बार रोगियों के दांत भी निकाल दिए जातें है। और जब दो तीन दांत निकलनें के बाद भी दर्द ठीक नहीं होता फिर रोगी बिशेषज्ञ के पास जाता है।

2. चेहरे पर तनाव का दर्द (Atypical facial pain) – स्त्रियों में मानसिक तनाव से चेहरे की मांसपेशियों में दर्द होता है। यह दर्द हल्का–हल्का लगातार बना रहता है और चमक के साथ नहीं होता है। इसमें टिंगर पाइंट भी (Trigger Points) नही होते।

3. माईग्रेन (Migraine) – यह सिरदर्द 2 से 4 घंटों तक लगातार बना रहता है। उल्टी का जी, उल्टी होना, शोर एवं लाईट बुरे लगना इसका मुख्य लक्षण है। यह रोग 25 से 40 वर्ष की आयु में देखा जाता है।

4. जबडे का दर्द (TM Joint Pain) - यह दर्द चेहरे पर दौनों साइड़ होता है तथा मुँह खोलने पर कान के पास आवाज भी आ सकती है।

5. टेम्पोरल आर्टेराइटिस (Temporal Arteritis) – यह रोग 65 वर्ष की उम्र के ऊपर देखा जाता है। इसमें बुखार आना, ऑखों से धुंधला दिखना आदि लक्षण हो सकते हैं।

6. मॉथे पर दर्द तथा ऑखों का लाल होना (Sunct) – अगर दर्द सिफ मॉथे पर ही होता है तथा जिसमें ऑखें लाल हो जाती हैं, ऑखों से पानी आता है तो यह ट्रायजेमाइनल न्यूरेल्जिया (TGN) के जैसा दिखने बाला दर्द हो सकता है।

उपचार –: (Treatment) इस दर्द का मुख्य उपचार नसों को सुन्न करने की दवा है। इस दवाई से 80 प्रतिशत रोगियों का दर्द नियंत्रण में आ जाता है। दवा की मात्रा धीरे धीरे बढ़ाई जाती है ताकि उसका बुरा असर नहीं (Side Effect) हो। इस दवा को देते समय दो समस्यायें होती हैं जैसे –

1. रोगी की दवा की मात्रा धीरे धीरे बढ़ाते है जिससे रोगी को दर्द में एकदम पूरा आराम (Complete Relief) नहीं आता है।

2. यदि रोगी को एकदम दवा का ड़ोज (Dose) बढा दिया जाता है तो रोगी को उससे साइड़ इफैक्ट (Side effect) हो सकते है।

जब रोगी का दर्द 6 हफते तक बंद रहता है तव दवाओं की मात्रा को धीरे धीरे कम करके बंद किया जा सकता है। पूरे विश्व में सबसे ज्यादा उपयोग टेग्रीटॉल (Tab. Tegritol) दवा का होता है। यदि इस दवा से आराम नहीं आता है तो दूसरी दवा न्यूपेन्ट ए एफ (Tab. Neupent AF) है।

ऑपरेशन से उपचार (Operation)– अगर दवाइयों सें आराम नहीं आता है तो नस का आपरेशन किया जाता है। इस बीमारी में दो प्रकार के ऑपरेशन किये जाते हैं –

1. **ब्रेन की बड़ी सर्जरी** (Brain Surgery) – जिसमें नस के ऊपर दवाव ड़ालने वाली नस को अलग कर दिया जाता है। इस ऑपरेशन बिधि से सबसे ज्यादा एवं लंबे समय तक आराम आता है। पर यह एक बड़ा ऑपरेशन है जिसमें जान जाने की संभावना भी रहती है। लगभग 0.4 प्रतिशत लोगों की जान जाने की संभवना रहती है, अगर रोगी को ड़ायबिटीज है, ब्लड़ प्रेशर है, उम्र अधिक है, हृदय की बीमारी है तो जान जाने की संभावना ज्यादा रहती है।

2. **नस को करेट द्वारा जलाना** (Nerves Burn by Current Method) – इसमें नस को करेंट द्वारा (Current Method) जला दिया जाता है। इस पद्धति (Therapy) का असर कम होता है। इस बिधी (Method) के बाद रोगी को चेहरे पर सुन्नपन भी आ सकता है। यह बिधी हाई रिस्क पेशेंट (High Risk Patient) में किया जाता है। इस बिधी में सीरियस काम्पलीकेशन (Serious Complications) होने की संभावना कम होती है।

इस दवा के दुष्प्रभाव (Side Effects) इस प्रकार हैं –

नींद आना, सुस्ती आना, उल्टी का जी करना, चक्कर, घबराहट, चलने में असंतुलन, दो दो दिखना दवा की जिस मात्रा पर रोगी को आराम आ जाये उसी मात्रा को 6 सप्ताह तक चलने देते हैं। **TabTegritol100 mg**

x----------x--------100mg x 5days
100----------x-------- 100mg x 5days
100--------x-------- 200mg CR x 5days
200mg CR---------x--------200mg CR x 5days
200mg CR---------x----------300 mg x 5days
300mg CR --------x---------300mg CR x 45days
x----------x----------100mg x 5days

कभी कभी दर्द तेज रोशनी एवं तेज आवाज से भी हो जाता है। रोगी को सुबह के समय दर्द अधिक होता है। रात में सोते समय दर्द नहीं होता है। रोगी इस दर्द से बहुत परेशान रहता है। इस दर्द में 80 से 90 प्रतिशत रोगियों को नस के दबने के कारण यह दर्द होता है।

90 प्रतिशत रोगियों को कार्बमेजिपीन दवा से आराम आ जाता है। इस दबा को 800 से 1600 मि.ग्रा. तक एक दिन में /तीन बार में बॉट कर/ दिया जा सकता है। इसके साथ इसके उपचार में गामा नाईफ सर्जरी भी एक अच्छा और सफल इलाज है। इस सर्जरी से 94 प्रतिशत रोगियों को इस दर्द से एक माह के भीतर आराम मिल जाता है। इस उपचार में एक 75 हजार से एक लाख रूपये का खर्च आता है। इस सर्जरी के बाद भी दर्द कभी कभी फिर से शुरू हो जाता है। जिन रोगियों की उम्र 75 वर्ष या उससे ऊपर है यह सर्जरी उनमें ज्यादा लाभदायक होती है।

Differential Diagnosis of TGN

- Musculoskeletal
- Dentoalveolar
- Ear, Nose and Throat
- Giant cell arthritis
- Glaucoma
- Cluster headaches
- Atypical migraine
- Chronic paroxysmal hemicrania
- Temporomandibular joint syndrome
- Cracked tooth syndrome
- Idiopathic stabbing headache
- Glossopharyngeal neuralgia
- Nervus Intermedius neuralgia
- SUNCT
- Trigeminal neuropathy
- Atypical trigeminal neuralgia
- Typical trigeminal neuralgia

There are two disorders that may present with intermittent sharp, electrical pain in this category: chronic paroxysmal hemicrania and short lasting unilateral neurlgiform headache with conjunctival injection or tearing (SUNCT).

Paroxysmal Hemicrania

At least 20 attacks